यीशु ने एक दुष्ट आत्मा से पीड़ित को चंगा किया

प्रार्थना "प्रिय प्रभु हमारे बच्चों की सहायता कर कि वे आप पर विश्वास करें कि उन्हें बुरी आत्माओ से यीशु की दया और अधिकार द्वारा बचाये"।

बच्चों की सीखने वाली गतिविधियों का चयन करें जो बच्चों की आयु था आवश्यकता में सही बैठती है।

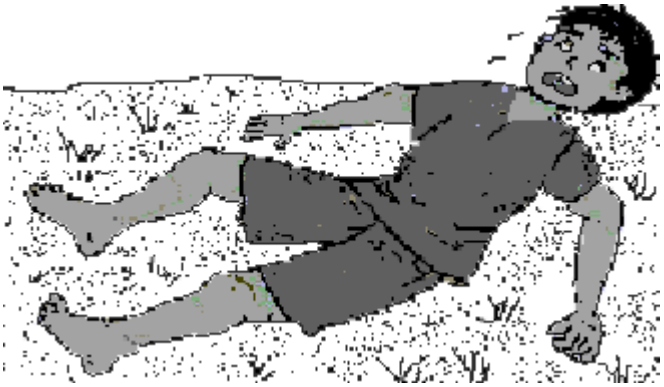

बड़े बच्चे या शिक्षक: पढ़ें या **मरकुस 9:14-29** से सम्बन्ध बतायें कि कैसे यीशु ने लड़के को चंगा किया। ये कहानी दिखाती है कि किस प्रकार यीशु के पास शैतान की सेना के ऊपर सामर्थ है।

कहानी बताने के बाद, **इन प्रश्नो को पूछें** (उत्तर हर प्रश्न के बाद हैं)

- जब यीशु पहुंचा तब चेले क्या कर रहे थे?
  (उत्तर: प्रार्थना करने की अपेक्षा वे बहस कर रहे थे। पद 14 देखें)
- लड़का कैसे दुष्ट आत्मा से पीड़ित हुआ? *(देखें पद 17-18 एवं 22)*
- शैतान की शक्ति के विरूद्ध खड़े रहने के लिये हमें क्या करना चाहिये? *(विश्वास देखें पद 23)*
- परमेश्वर पर विश्वास करने में कौन हमारी सहायता करता है? *(पद 24)*
- हम शैतान के विरूद्ध किसकी सामर्थ में खड़े रह सकते हैं? *(प्रार्थना के द्वारा परमेश्वर की सामर्थ में देखें पद 21)*

कहानी को नाटक का रूप दें कि कैसे दुष्ट आत्मा से पीड़ित लड़के को यीशु ने वश में किया। मुख्य मंडली के अगुवें के साथ इस नाटक को प्रस्तुत करने का प्रबन्ध करें। इसे बच्चों के साथ तैयार करने में अपना समय प्रयोग करें। आपको इसके सब भागों को प्रयोग करने की जरूरत नहीं है। तैयारी के लिये बड़े बच्चों को छोटे बच्चों की सहायता करने दें।

- **बड़े बच्चों** या बड़ों को प्रवक्ता और पिता की भूमिका अदा करने दें।

  प्रवक्ता: कहानी का सारांश बनाये और बच्चों की याद करने में सहायता करें कि क्या कहना और करना है।

  छोटे बच्चों को लड़के माँ भाई और बहनो की भूमिका करने दें।

प्रवक्ता: मरकुस 9:14-21 से कहानी का पहला हिस्सा बताता है। तब कहता है, "सुनो कि पिता क्या कहता है"?

पिता: "परिवार में अपने पुत्र के साथ घर पर हूं, उसकी ओर देखो!"

लड़का: "यीशु ने मुझे चंगा किया है! काश आप यीशु से मिलते!"

माँ: "पति! क्या ये सच है? उसे बचपन से दुष्ट आत्मा सता रही है!"

भाई और बहन: "हमें याद है कि कितना भयंकर था यह"।

"वह मुंह में झाग ले आता और जमीन पर गिर पड़ता था!"

"कभी कभी वह आग और पानी में गिर जाता था"

"वह लगभग मर ही गया था!"

"इसने मुझे सलाह दिया!"

पिता: "कोई मेरी सहायता नहीं कर सकता था। मैंने यीशु के चेलों से कहा, पर वे भी कुछ नहीं कर सके"।

प्रवक्ता: मरकुस 9:23-29 से कहानी का दूसरा भाग बताता हैं तब कहता है कि "सुनो कि पिता क्या कहता है"

पिता: "मैंने यीशु से मदद करने को कहा और उसने किया"

माँ: "उसे चंगा करने के लिये यीशु ने क्या किया?"

पिता: "उसने पहले मुझ से कहा जो विश्वास करते हैं उनके किये सब कुछ सम्भव है। पर मेरा विश्वास कमजोर था लो मैंने उससे कहा कि विश्वास करने में मेरी सहायता कर"।

लड़का: दुष्ट ने मुझे जमीन पर पटक दिया और हिला दिया। इससे मैं कांपने लगा। उन्होंने कहा मैं मर गया था"।

माँ: लड़के को सीने से लगा लिया। तब कहती है, "ओह बेचारा बच्चा"

लड़का: यीशु ने दुष्ट से चले जाने को कहा और कि फिर कभी वापस न आना। यीशु ने मेरा हाथ उठाकर खड़ा किया"

माँ: "परमेश्वर की प्रशंसा हो"

लड़का: "मैं अब साफ बात कर सकता हूं!"

माँ: "चेले क्यों तुझे चंगा नहीं कर सके?"

पिता: यीशु ने कहा "वे परमेश्वर की सामर्थ पर विश्वास नहीं कर रहे थे न प्रार्थना कर रहे थे"

भाई बहन: वे ऐसा कहते हैं: "हम यीशु पर विश्वास करना चाहते हैं" "हम उससे कहना चाहते कि हमारे विश्वास को मज़बूत कर" "सभी आत्माओं की अपेक्षा यीशु की सामर्थ महान है"

प्रवक्ता या बड़ा बच्चा: जब नाटक समाप्त हो गया तो जिन्होंने सहायता की उनको धन्यवाद दिया।

यदि बच्चे इस कहानी को बड़ों के लिये नाटक के रूप में करना चाहते हैं तो जो प्रश्न ऊपर की सूचि में हैं उन्हें पूछने दें

बच्चों से कहें कि वे कुछ दूसरे उदाहरण दे कि किस प्रकार यीशु ने लोगों को शैतान की शक्ति से स्वतंत्र किया। बच्चों और बड़ों की उदाहरण देने दें।

एक व्यक्ति की प्रार्थना करते हुए तस्वीर बनायें। बच्चों को उसकी नाटक करने दें।

- आराधना के समय हर एक बच्चे को अपनी तस्वीर बड़ों को दिखाने दें और बतायें कि ये प्रगट करता है कि हम यीशु की सामर्थ के साथ शैतान की शक्ति के विरूद्ध कैसे खड़े होते हैं।

- यदि आप चाहें, तो ऊपर दिखाए हुए गिरे हुए बच्चे की तस्वीर की नाटक करें या रंग बच्चों को करने दें।
- बड़े बच्चे एक कब्र कफन या मकबरे की तस्वीर खीचें या मृत्यु का कोई दूसरा चिन्ह, और बतायें कि यीशु ने न केवल शैतान और दुष्ट आत्माओं पर विजय पायी है पर मृत्यु पर भी पाया है।

बड़े बच्चों को कविता या गीत लिखने दें या नाटक करने दें कि यीशु कैसे हमें शैतान से स्वतंत्र करता है।

कविता: तीन बच्चों को भजन 3:3-5 का उच्चारण करने दें

याकूब 4:7 को कंठस्त करें

प्रार्थना: "प्रिय प्रभु केवल आप ही सर्वशक्तिमान है आप हमें शैतान की ताकत शक्ति से आज़ाद करते हैं हमें आपके प्रेम से कुछ भी अलग नहीं कर सकता। हम आप से प्रेम करते हैं। सहायता कर कि हम अपने मित्रो को आपके बारे में बता सकें।"

Copyright 2004 © by Paul-Timothy. May be freely copied. Download from www.Paul-Timothy.net